S–2 Roll No. ……..

BAJY–201

जातकशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0ए0-12 / 16 / 17

द्वितीय वर्ष सत्र, 2018

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जातकशास्त्र के किसी ग्रन्थ का परिचय दीजिए।
2. 12 राशियों के स्वरूप लिखिए।
3. केन्द्रस्थ, त्रिकोणस्थ ग्रहों का शुभाशुभत्व वर्णन कीजिए।
4. दिग्बल और काल बल का विवेचन सोदाहरण कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंचांग विचार से अशुभ तिथि, नक्षत्र, योग एवं करण बताइए।
2. किन्हीं आठ भावों में स्थित शुभग्रह फल का वर्णन कीजिए।
3. द्विग्रहयोग फल पर टिप्पणी लिखिए।
4. पञ्चधा मैत्री का उदाहरण दीजिए।
5. ग्रहों की पाददृष्टि, पूर्णदृष्टि का पृथक्-पृथक् विवेचन कीजिए।
6. विंशोत्तरीमतेन सूर्यदशाफल लिखिए।
7. अष्टोत्तरी दशासाधनविधि लिखिए।
8. योगिनी दशा अनुसार संकटा सिद्धा दशा फल लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मासों के चिगादि नाम लिखिए।

2. उत्तरायण कब होता है ?

3. दक्षिणगोल में सूर्य का भ्रमण कब होता है ?

4. मंगल की विशेष दृष्टि क्या है ?

5. शनि के नैसर्गिक शत्रु ग्रह कौन हैं ?

6. छः ऋतुओं के नाम लिखिए।

7. गण्डान्त संज्ञक नक्षत्र कौन हैं ?

8. योगिनी दशाओं के वर्ष प्रमाण लिखिए।

9. राहु में विंशोत्तरी अन्तर्दशा क्रम लिखिए।

10. मेष लग्न में मारकेश (मारक स्थानों के स्वामी) कौन हैं ?